सांध्य दैनिक

4PM

जिद...सच की

जैसे ही भय आपके करीब आए उस पर आक्रमण कर उसे नष्ट कर दीजिए।
–चाणक्य

मूल्य ₹ 3/-

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 8 ● अंकः 29 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 1 मार्च, 2022

बम भोले के जयकारों से... 8 | चुनावी राज्यों में कम मतदान ने... 3 | प्रदेश से माफियाओं को खदेड़ दिया... 7

यूक्रेन स्थित भारतीय दूतावास ने जारी की नयी एडवाइजरी

आज हर हाल में कीव छोड़ें भारतीय

- सुरक्षित निकासी को वायु सेना ने कसी कमर
- ऑपरेशन गंगा को तेज करने के लिए सेना के कई विमान फंसे छात्रों को करेंगे एयरलिफ्ट
- पीएम मोदी ने की राष्ट्रपति से मुलाकात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कीव। रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच आज यूक्रेन स्थित भारतीय दूतावास ने नयी एडवाइजरी जारी की। इसमें कहा गया है कि सभी भारतीय तत्काल प्रभाव से कीव शहर को छोड़ दें। बाहर जाने के लिए रेल, बस या अन्य साधन का उपयोग कर सकते हैं। बढ़ते खतरे को देखते हुए भारतीय वायु सेना ने भी कमर कस ली है। भारतीय नागरिकों को एयरलिफ्ट कराने के लिए एयरफोर्स के कई सी-17 विमानों की सहायता ली जाएगी। इस बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद से मुलाकात की और यूक्रेन संकट पर चर्चा की।

चौबीस घंटे के भीतर कीव पर बड़ा हमला कर सकता है रूस

यूक्रेन के खिलाफ रूस की सैन्य कार्रवाई आज छठे दिन भी जारी है। यूक्रेन में भारतीय दूतावास ने भारतीय नागरिकों को आज ही राजधानी कीव छोड़ने को कहा है। सूत्रों के अनुसार ऑपरेशन गंगा के तहत भारतीय नागरिकों के निकासी अभियान को और तेज करने के लिए प्रधानमंत्री मोदी ने भारतीय वायु सेना को इस ऑपरेशन से जुड़ने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि वायु सेना के हवाई जहाजों के जुड़ने से भारतीयों के लौटने की प्रक्रिया गति पकड़ेगी और उनकी संख्या में भी वृद्धि होगी। साथ ही भारत से भेजी जा रही राहत सामग्री भी और तेजी से पहुंचेगी। बताया जा रहा है कि भारतीय वायु सेना के कई सी-17 विमान आज से ही ऑपरेशन गंगा के तहत उड़ान भर सकते हैं। रूसी सेना 24 घंटे के भीतर कीव शहर पर हमले को अंजाम दे सकती है इसलिए एहतियातन भारतीय नागरिकों एवं छात्रों को शहर छोड़ने के लिए कहा जा रहा है।

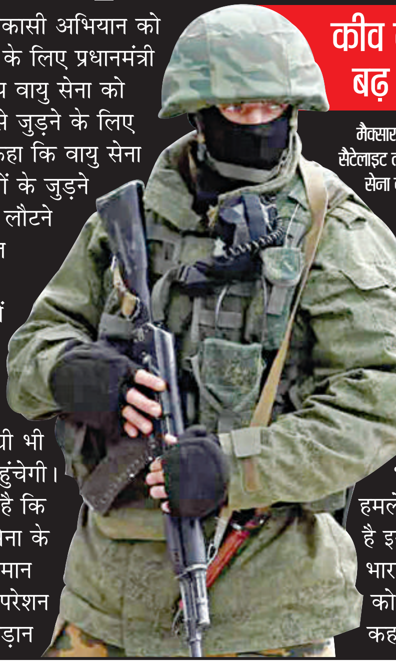

कीव की ओर तेजी से बढ़ रही रूसी सेना

मैक्सार टेक्नोलाजी की तरफ से जारी की गई सैटेलाइट तस्वीरों में पता चला है कि रूस की बड़ी सेना कीव की ओर लगातार बढ़ रही है। इन तस्वीरों में खुलासा हुआ है कि रूसी सेना का काफिला अब 64 किमी लंबा हो गया है। वहीं संयुक्त राष्ट्र में रूस के राजनयिक मिशन के 12 सदस्यों को संयुक्त राज्य अमेरिका ने निष्कासित कर दिया है।

धुआं उड़ाने वाले हो जाएंगे धुआं : अखिलेश

- सपा सरकार बनने पर देंगे रोजगार, पुरानी पेंशन करेंगे बहाल
- बलिया की जनसभा में सपा प्रमुख ने भाजपा पर किया जोरदार हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

छलने वाली भाजपा को धूल चटाएगी जनता

बलिया। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने बलिया के फेफना में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए भाजपा पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि बलिया की क्रांतिकारी धरती ने देश को दिशा देने का काम किया है। लोगों का जोश बता रहा है कि बलिया से किसी का खाता खुलने वाला नहीं है। भाजपा ने जनता को छला। यह चुनाव छलिया बनाम बलिया दिख रहा है। इस बार बलिया के लोग इनको धूल चटाने का काम करेंगे। धुआं उड़ाने वाले धुआं हो जाएंगे।

उन्होंने कहा कि भाजपा के जितने बड़े नेता हैं वे उतना बड़ा झूठ बोल रहे हैं। भाजपा ने वादा किया था कि सरकार बनने पर किसानों की आय दोगुनी करेंगे लेकिन किसी भी किसान की आय दोगुनी नहीं हुई। खाद की बोरी से पांच किलो की चोरी हो गयी। किसानों के धान की लूट हो गयी। ये दोबारा आ गए तो दस किलो खाद निकालेंगे। डीजल पेट्रोल और गैस सिलेंडर महंगा हो गया। भाजपा ने जब सिलेंडर बांटा था तब चार सौ का था अब एक हजार का हो गया है। ये लोग जो गर्मी निकाल रहे थे, पांचवें चरण के चुनाव के बाद ठंडे पड़ गए। लाल-पीले मिलकर गर्मी निकालने वालों की भाप निकाल देंगे और जब वोट पड़ेगा तो ये धुआं उड़ाने वाले धुआं-धुआं हो जाएंगे। सपा की सरकार बनेगी तो प्रदेश में फौज की भर्ती निकालेंगे। 11 लाख सरकारी पद खाली हैं। इनको भरा जाएगा। पुरानी पेंशन बहाल करेंगे। अनुदेशकों को नियमित करेंगे।

महाशिवरात्रि की शुभकामनाएं दीं

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने सभा शुरू करने से पहले महाशिवरात्रि पर्व पर लोगों को शुभकामनाएं दीं और कहा कि भगवान शिव सभी का कल्याण करें।

महाशिवरात्रि पर महादेव की शरण में प्रियंका

- लखनऊ के सिहारी शिव मंदिर में किया जलाभिषेक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान सभा चुनाव के बीच कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने महाशिवरात्रि के मौके पर लखनऊ के सिहारी शिव मंदिर में भगवान महादेव का जलाभिषेक किया। उन्होंने देशवासियों के कल्याण की कामना की।

महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर आज सुबह प्रियंका गांधी वाड्रा भगवान भोलनाथ के दरबार पहुंचीं। कांग्रेस महासचिव ने शहर के बेहसा स्थित सिहारी शिव मंदिर में भगवान महादेव का जलाभिषेक कर पूजन-अर्चन किया। उन्होंने देश एवं प्रदेश के निवासियों के कल्याण की कामना की। गौरतलब है कि प्रत्याशियों के पक्ष में प्रचार के लिए कांग्रेस महासचिव प्रदेश में हैं। प्रदेश में अभी छठवें और सातवें चरण का चुनाव होना है। वहीं शिवरात्रि के मौके पर राजधानी के प्रसिद्ध शिवमंदिरों में आस्था का सैलाब उमड़ा रहा। महादेव के जयकारों से मंदिर परिसर गूंजते रहे। मनकामेश्वर महादेव का जलाभिषेक किया गया। सुरक्षा की व्यवस्था भी कड़ी रही।

करहल के बाद जौनपुर के मल्हनी में होगी मुलायम सिंह की रैली

» सपा कई समीकरणों को साधने की कर रही तैयारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सात चरणों में हो रहे यूपी विधानसभा चुनाव के पांच चरण पूरे हो चुके हैं। समाजवादी पार्टी के संरक्षक मुलायम सिंह यादव ने इन पांच चरणों में केवल एक जनसभा की है। उन्होंने अभी तक केवल अपने बेटे और सपा प्रमुख अखिलेश यादव के लिए मैनपुरी की करहल सीट पर वोट मांगा है। अब वह जौनपुर की मल्हनी में जनसभा करने आ रहे हैं। यहां अंतिम चरण में सात मार्च को वोटिंग है। इससे पहले तीन मार्च मुलायम की यहां जनसभा होगी। मल्हनी से सपा के कद्दावर नेता और मुलायम सिंह के करीबी स्वर्गीय पारसनाथ के बेटे लकी यादव को मैदान में उतारा है।

जौनपुर में मुलायम की रैली से सपा कई समीकरणों को साधने की तैयारी कर रही है। जौनपुर के एक तरफ अखिलेश यादव का संसदीय क्षेत्र आजमगढ़ है और दूसरी तरफ पीएम मोदी का संसदीय क्षेत्र वाराणसी। यहां पर रैली से तीनों जिलों की करीब दो दर्जन सीटों पर प्रभाव की उम्मीद है। पीएम मोदी भी तीन मार्च को ही जौनपुर में रैली करने जा रहे हैं। मोदी की रैली जफराबाद के जीआईजी मैदान में होगी। ऐसे में दोनों रैली में उमड़ने वाली भीड़ की तुलना भी होने की पूरी संभावना है। मुलायम की रैली मल्हनी के कोलाहलगंज बाजार में होगी। यह रैली छठे चरण के लिए 57 सीटों पर होने जा रहे मतदान से ठीक पहले हो रही है। मल्हनी सीट पर पारसनाथ यादव का लंबे समय से कब्जा रहा है। 2020 में पारसनाथ यादव के निधन के बाद हुए उपचुनाव में उनके बेटे लकी यादव को सपा ने प्रत्याशी बनाया था। प्रदेश में एक साथ हुए सात उपचुनावों में सपा को केवल इसी सीट पर सफलता मिली थी। लकी ने बाहुबली नेता पूर्व सांसद धनंजय सिंह को हराकर अपने पिता की विरासत को बरकरार रखा था। इस बार लकी के अलावा भाजपा, कांग्रेस और बसपा से भी प्रत्याशी है लेकिन उनका मुकाबला फिर से धनंजय सिंह से माना जा रहा है। धनंजय सिंह को इस बार जदयू ने टिकट दिया है। लंबे समय तक फरार रहे धनंजय सिंह ने चुनाव लड़ने के लिए ही नामांकन से ठीक एक दिन पहले जौनपुर कोर्ट में सरेंडर किया था।

लल्लू के गृहक्षेत्र में बाइक पर प्रियंका गांधी, जनता ने लगाए जय कांग्रेस के नारे

» तमकुही राज में जाम में फंसीं तो कार छोड़ बाइक पर बैठकर पहुंची हेलीपैड

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा कुशीनगर के तमकुही राज में जाम में फंस गईं। तमकुही राज में विशाल जनसभा को संबोधित करने के बाद प्रियंका गांधी यूपी कांग्रेस अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू के घर गई थीं। इसके बाद वह जाम में फंस गईं। हेलीकॉप्टर को सूर्यास्त से पहले उड़ना था, इसके लिए जाम में फंसीं कांग्रेस महासचिव को बाइक पर बैठाकर हेलीपैड पहुंचाया गया। इस बीच जनता ने जब प्रियंका को बाइक से सवारी करते देखा तो जय कांग्रेस के नारे लगाए। जनता ने नारे लगाकर प्रियंका गांधी का भी उत्साह बढ़ाया। अजय कुमार लल्लू जनसभा के बाद प्रियंका गांधी को अपने घर से मोटर साइकिल पर बैठाकर हेलीपैड तक छोड़ने गए।

वहीं दूसरी तरफ प्रियंका गांधी ने बलिया में रोड शो किया। इस दौरान प्रियंका गांधी की एक झलक पाने को लिए लोग बेताब दिखे। लोगों ने फूल-मालाओं से उनका स्वागत किया। प्रियंका ने भी हाथ जोड़ कर लोगों का अभिवादन स्वीकार किया और कांग्रेस के लिए वोट मांगा। इस बीच प्रियंका गांधी ने भाजपा, सपा व बसपा पर जमकर हमला बोला। कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार ने जब देश की सरकारी संपत्तियों को ही बेच डाला तो वह युवाओं को रोजगार कहां से देगी। कांग्रेस की सरकार बनी तो किसानों का कर्जा माफ होगा, बिजली का बिल हाफ होगा। 20 लाख युवाओं को रोजगार दिया जाएगा। धान व गेहूं की कीमत ढाई हजार रुपये प्रति क्विंटल किसानों को दी जाएगी। कहा कि भाजपा धर्म व जाति की राजनीति कर सत्ता में बने रहना चाहती है। देश में हर वर्ग की आय कम हो रही है। किसान, मजदूर व युवा सभी परेशान है। छुट्टा पशु फसल बर्बाद कर रहे हैं। भर्ती की परीक्षा तो होती है लेकिन भर्ती नहीं होती। मायावती पांच साल तक घर से बाहर ही नहीं निकली हैं। सपा मुखिया अखिलेश यादव केवल तुष्टिकरण की राजनीति करते हैं। हाथरस हो या लखीमपुर भाजपा सरकार के अत्याचार के खिलाफ कांग्रेस ही सड़कों पर उतरी है। प्रदेश में नौजवान पलायन कर रहे हैं। बड़े उद्योगपतियों को देश की संपत्ति बेची जा रही है। 30 सालों में प्रदेश में कोई विकास नहीं हुआ है।

केशव मौर्य के हेलीकॉप्टर का पेट्रोल खत्म, इमरजेंसी लैंडिंग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। फाजिलनगर विधानसभा क्षेत्र के दुदही में जनसभा को संबोधित करने जा रहे डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य के हेलीकॉप्टर का पेट्रोल अचानक हवा में ही खत्म हो गया। इसके बाद नगर के पावानगर महावीर इंटर कालेज में हेलीकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी।

कुशीनगर के खड्डा विधानसभा और फाजिलनगर विधानसभा के महहरवा में डिप्टी सीएम की जनसभा थी। उनके साथ आरपीएन सिंह भी हेलीकॉप्टर में मौजूद थे। दोपहर दो बजे के आसपास कस्बे में हेलीकॉप्टर को उतरते देख लोग आश्चर्यचकित हो गए क्योंकि किसी भी पार्टी के द्वारा किसी बड़े नेता के आने की सूचना नहीं दी थी। हेलीकॉप्टर की लैंडिंग होने के बाद पता चला कि इसमें प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य हैं। हेलीकॉप्टर से उतरने के बाद उन्होंने वहां मौजूद पत्रकारों से विधानसभा चुनाव के बारे में चर्चा की।

सपा-बसपा को मौका दिया तो सूबे को लूट लेंगे : स्वतंत्र देव सिंह

» भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने सपा पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

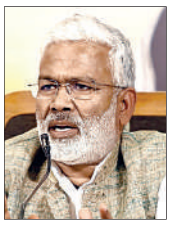

लखनऊ। अखिलेश यादव के संसदीय क्षेत्र आजमगढ़ में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह सपा-बसपा और कांग्रेस पर जमकर बरसे। कहा कि तीनों पार्टियां भूखी-नंगी हैं। सत्ता पाते ही सूबे को लूट लेंगी। जरूरी है कि राज्य की कमान बेहतर दल और मजबूत हाथों में हो। उन्होंने दावा किया कि योगी आदित्यनाथ के दोबारा शपथ लेने के बाद गुंडे-माफिया सूबे को छोड़ कहीं और चले जाएंगे।

सगड़ी विधानसभा क्षेत्र में घाघरा इंटर कॉलेज के मैदान में जनसभा में स्वतंत्रदेव सिंह ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों ने कांवड़ यात्रा पर प्रतिबंध लगाया था। योगी के शासनकाल में कांवड़ियों पर फूल बरसाया जाता है। सबसे अच्छी बात यह है कि पूरे पांच साल प्रदेश में कहीं भी दंगा-फसाद नहीं हुआ। किसी जगह कर्फ्यू नहीं लगा। कोरोना काल का जिक्र करते हुए प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि योगी सरकार ने न केवल वैक्सीन की डबल डोज से मानवता की रक्षा की बल्कि लोगों की रोजी-रोटी बचाकर उन्हें भुखमरी से मरने नहीं दिया।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

उत्तराखंड में भाजपा को कांग्रेस ने दी कड़ी चुनौती

» आम आदमी पार्टी ने बढ़ाई दोनों दलों की टेंशन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तराखंड की 70 सीटों पर हुए चुनाव के बाद परिणाम आने में अब केवल नौ दिन ही बचे हैं। इस बीच एक ताजा सर्वे सामने आया है। सर्वे के अनुसार भाजपा की मुश्किलें बढ़ती दिख रही हैं। यहां कांग्रेस से उसे कड़ी चुनौती मिल रही है। चाहे सीटों का मामला हो या वोट प्रतिशत का मामला, कांग्रेस ने बीजेपी को कड़ी चुनौती दे दी है। 70 सीटों वाली विधानसभा में बीजेपी को 31 से 37 सीटें मिलती दिख रही है।

कांग्रेस को 30 से 36 सीटें मिल सकती हैं। यानी किसी की भी सरकार यहां बन सकती है। अगर दोनों पार्टियों की अधिकतम सीटों की संख्या देखी जाए तो दोनों बहुमत का आकड़ा पार करती हुई दिख रही हैं। वहीं केजरीवाल की आम आदमी पार्टी को झटका लग सकता है। आप को केवल दो से चार सीटें ही मिलती दिख रही हैं। अन्य को भी एक सीट मिल सकती है। वोट प्रतिशत की बात करें तो उसमें भी बीजेपी-कांग्रेस में कड़ा मुकाबला है। बीजेपी को 43 प्रतिशत वोट मिलते दिख रहे हैं। कांग्रेस को 41 प्रतिशत वोट मिल रहे हैं। आम आदमी पार्टी सीटें भले इकाई अंकों में ही हासिल कर रही है लेकिन उसका वोट प्रतिशत दहाई में आ गया है। आप को 13 प्रतिशत वोट मिलते दिख रहे हैं। अन्य को तीन प्रतिशत वोट मिलते दिख रहे हैं।

मतगणना से पहले कांग्रेस ने बनाई रणनीति

उत्तराखंड में 10 मार्च को होने जा रही मतगणना के लिए कांग्रेस ऐहतियात बरत रही है। आगामी पांच मार्च से कांग्रेस अपने चीफ पोलिंग एजेंट, पोलिंग एजेंट की ट्रैनिंग कराएगी। मतगणना ड्यूटी के लिए कार्यकर्ताओं को चिह्निकरण भी शुरू कर दिया गया है। प्रदेश महामंत्री-संगठन मथुरादत्त जोशी ने बताया कि मतगणना कक्ष में हर टेबल पर पार्टी का एक पोलिंग एजेंट नियुक्त किया जाएगा। भाजपा गड़बड़ी कर सकती है। सत्ता का दुरुपयोग कर सरकारी मशीनरी को प्रभावित करने की भी पूरी पूरी आशंका है। इस पहलू को देखते हुए कांग्रेस भी सतर्क है। मतगणना के लिए तैयारी शुरू कर दी है।

चुनावी राज्यों में कम मतदान ने दलों की बढ़ाई टेंशन

हर चरण में पिछले चुनाव के मुकाबले कम मतदान का ट्रेंड

» पंजाब व यूपी में भारी सियासत के बाद भी वोटिंग कम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनाव के लिए पांच चरणों का मतदान संपन्न हो चुका है। हर चरण में इस बार पिछले विधान सभा चुनाव के मुकाबले कम मतदान का ट्रेंड दिखाई पड़ रहा है। कम मतदान का यह ट्रेंड केवल उत्तर प्रदेश तक सीमित नहीं है। पंजाब में भारी सियासत के बाद भी इस बार पिछले तीन विधान सभा चुनाव के मुकाबले कम मतदान हुआ है। उत्तराखंड में भी पिछले विधान सभा चुनाव की तुलना में अपेक्षाकृत कुछ कम मतदान हुआ है। उत्तर प्रदेश चुनाव के पहले चरण में पश्चिमी उत्तर प्रदेश के 11 जिलों की 58 सीटों के लिए 10 फरवरी को वोट डाले गए थे।

नोएडा, गाजियाबाद, अलीगढ़, मथुरा और आगरा की बेल्ट में इस चरण में 62.08 फीसदी मतदान हुआ। पिछले विधानसभा चुनाव यानी 2017 में इन सीटों पर 63.47 फीसदी मतदान हुआ था। इस चरण में कैराना में रिकॉर्ड 75.12 फीसदी, शामली में 69.42 फीसदी और मेरठ में 63.27 फीसदी मतदान हुआ तो गाजियाबाद जैसे इलाके में काफी कम (लगभग 54.19 फीसदी) मतदान हुआ। साहिबाबाद में केवल 45 फीसदी मतदान हुआ। दूसरे चरण में नौ जिलों की 55 सीटों के लिए 14 फरवरी को मतदान हुआ। इस चरण में लगभग 62.82 फीसदी मतदान हुआ। 2017 के 65.53 फीसदी के मुकाबले यह मतदान 2.73 फीसदी से भी ज्यादा कम हुआ है। तीसरे चरण में 20 फरवरी को 59 सीटों पर मतदान हुआ। इन सीटों पर 61.61 फीसदी मतदान हुआ। मतदान का यह आंकड़ा भी 2017 के चुनाव में हुए मतदान 62.21 फीसदी से कम है। हालांकि, इसी चरण में ललितपुर में 69.66, एटा में 65.78 फीसदी, मैनपुरी में 63.61 फीसदी और हाथरस में 63.15 फीसदी मतदान हुआ है। चौथे चरण में नौ जिलों की 59 सीटों पर 23 फरवरी को मतदान हुआ। इन सीटों पर 61.65 फीसदी मतदान हुआ लेकिन यह मतदान पिछले चुनाव के मुकाबले कुछ कम है जब इन्हीं सीटों पर 62.55 फीसदी मतदान हुआ था। इस चरण में लखनऊ में 61 फीसदी मतदान हुआ है, जो पिछले चुनाव के 58.45 फीसदी से कुछ ज्यादा है। लखीमपुर खीरी में किसानों पर हुई हिंसा की घटना के बाद भी 67.15 फीसदी मतदान हुआ है जो पिछले चुनाव से कुछ कम है। वहीं पांचवें चरण में 12 जिलों की 61 सीटों पर 57 फीसदी वोट पड़े जबकि 2017 में इन जिलों में 58.24 फीसदी मतदान हुआ था।

अपनी-अपनी जीत का दावा

सभी राजनीतिक दल इस वोटिंग ट्रेंड को अपने अनुसार बता रहे हैं। समाजवादी पार्टी के प्रवक्ता के अनुसार इस कम मतदान के बीच भी एक बात पर ध्यान दिया जाना चाहिए कि पश्चिमी यूपी के उन इलाकों में जहां मुस्लिम और यादव मतदाता बहुतायत संख्या में रहते हैं, वहां मतदान ज्यादा हुआ है। इसका साफ अर्थ है कि ये मतदाता सरकार बदलने के लिए अपनी ताकत का भरपूर उपयोग कर रहे हैं। वहीं भाजपा का मतदाता बाहर नहीं निकल रहा है। वह किसी कारण से दूसरे दलों को वोट नहीं देना चाहता लेकिन वह भाजपा की नीतियों के कारण निरुत्साहित है और इसलिए मतदान के लिए बाहर नहीं आ रहा है।

पंजाब में हर बार घट रहा मतदान का ट्रेंड

कम मतदान का यह ट्रेंड केवल उत्तर प्रदेश तक सीमित नहीं है। पंजाब जैसे अन्य राज्यों में भी इसी तरह का ट्रेंड देखने में मिल रहा है जो चिंताजनक है। पंजाब विधान सभा चुनाव 2022 में करीब 72 फीसदी मतदान हुआ है। यह पिछले तीन विधान सभा चुनाव में सबसे कम है। 2017 में पंजाब में 77.40 फीसदी, 2007 में 75.45 और 2012 में 78.20 फीसदी रहा था।

मोदी-योगी के विरुद्ध लहर नहीं

यूपी भाजपा के एक नेता ने कम मतदान को निराशाजनक बताया लेकिन यह दावा किया कि उनकी पार्टी 300 से ज्यादा सीटें जीतकर सरकार बना रही है। नेता के मुताबिक जब मतदाताओं को सरकार बदलनी होती है तो वे बढ़-चढ़कर मतदान करते हैं, जबकि यदि वे सरकार से संतुष्ट होते हैं तो अपेक्षाकृत सामान्य मतदान होता है। इस बार यही हो रहा है। नेता ने दावा किया कि योगी आदित्यनाथ के विरुद्ध किसी प्रकार की सत्ता विरोधी लहर नहीं है, जिस कारण मतदान कम दिख रहा है लेकिन उनकी पार्टी अपने कार्यकर्ताओं को पूरी तरह उत्साहित कर हर एक वोट डलवाने के लिए प्रेरित कर रही है।

उत्तराखंड में औसतन मतदान

उत्तराखंड विधान सभा चुनाव 2022 में भी 2017 के चुनाव के मुकाबले कम वोटिंग हुई है। इस बार यहां 65.37 फीसदी मतदान हुआ है जो पिछली बार की तुलना में 0.19 फीसदी कम है। 2017 में उत्तराखंड में 65.36 फीसदी, 2012 में 66.17 फीसदी और 2007 में 59.45 फीसदी मतदान हुआ था।

अब पूर्वांचल में सिमटा चुनाव, अपने गढ़ में होगी भाजपा की परीक्षा

पिछली बार 111 सीटों में भाजपा ने 75 सीटों पर मारी थी बाजी

तीन और सात मार्च को होने हैं अंतिम दो चरणों के मतदान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान सभा चुनाव अब अपने अंतिम दौर में है। पांचवें चरण के मतदान के बाद अब उत्तर प्रदेश में पीएम मोदी और सीएम योगी के गढ़ माने जाने वाले पूर्वांचल की 27 प्रतिशत यानी 111 विधान सभा सीटों तक चुनाव सिमट कर रह गया है। पिछले चुनाव में मोदी लहर में दो-तिहाई से ज्यादा सीटों पर सत्ताधारी भाजपा को जीत दिलाई थी। तीन और सात मार्च को इस क्षेत्र में मतदान के मद्देनजर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सहित सभी पार्टियों के दिग्गज नेता धुंधाधार चुनाव प्रचार में जुटे हैं। अबकी पूर्वांचल की जनता किस पार्टी को कितनी ताकत देती है, यह तो 10 मार्च को मतगणना के बाद ही पता चलेगा लेकिन पूर्वांचल के चुनाव में उनकी प्रतिष्ठा भी दांव पर लगी है जो खुद चुनाव मैदान में नहीं उतरे हैं।

कभी पिछड़ेपन और जातीय गणित में उलझा रहने वाला पूर्वांचल अब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रभाव वाला मजबूत गढ़ बन गया है। वाराणसी से मोदी के सांसद होने और गोरखपुर से योगी के होने से पांच वर्ष पहले के विधान सभा चुनाव में भाजपा ने इस क्षेत्र

से सपा-बसपा को उखाड़ फेंका था। दो-तिहाई सीटों पर भगवा लहराने वाली भाजपा ने अपने सहयोगी दलों के संग क्षेत्र की 75 प्रतिशत सीटों पर कब्जा जमाया था। पांच वर्ष के विकास संबंधी बड़े-बड़े काम और मोदी-योगी के जबरदस्त प्रभाव के दम पर भाजपा एक बार फिर पूर्वांचल में पहले से बेहतर प्रदर्शन दोहराने के लिए जुटी हुई है, लेकिन अबकी उसके सामने कुछ चुनौतियां भी हैं। एक तो यही कि पिछले चुनाव में उसने जिस ओम प्रकाश राजभर की सुभासपा को साथ रखा था, वह इस बार सपा संग भाजपा के खिलाफ मैदान में है। इसी तरह योगी सरकार में मंत्री रहे स्वामी प्रसाद मौर्या और दारा सिंह चौहान सहित कुछ विधायकों के चुनाव से ठीक पहले बगावत कर सपा के साथ जाने वालों में से भी ज्यादातर पूर्वांचल से ही हैं। भाजपा ने नया दांव चलते हुए पूर्वांचल में प्रभाव रखने वाले निषाद वोट बैंक को हासिल करने के लिए निषाद पार्टी के डा. संजय निषाद को 16 सीटें देकर अपने साथ किया है। ऐसा होने से भाजपा को सुभासपा से किसी तरह के नुकसान की भरपाई होने की उम्मीद है। भाजपा ने अपना दल(एस) का भी न केवल साथ बनाए रखा है, बल्कि पहले से कहीं ज्यादा तव्वजो देते हुए पिछली बार से छह सीटें ज्यादा कुल 17 सीटें दी हैं। 2017 के चुनाव 111 सीटों में भाजपा को 75 सीटें मिली थीं।

जुटी हिंदू युवा वाहिनी

यूपी विधान सभा चुनाव के लिए छठे चरण में 56 सीटों पर मतदान होगा। तीन मार्च को 10 जिलों में वोट डाले जाएंगे। पूरे पर्वांचल पर नजर डालें तो पूर्वांचल की 156 में से 111 सीटों पर मतदान होना है। हिंदू युवा वाहिनी ने भी पूर्वांचल में भाजपा की जीत का परचम लहराने के लिए फूल स्ट्रेंथ के साथ टीम उतार दी है। इस चुनाव में अब गोरखपुर शहर विधान सभा पर नेताओं की नजर बनी हुई है। सीएम योगी आदित्यानथ की किस्मत का फैसला इसी सीट से होना है। पूर्वांचल में बीजेपी का परचम लहराने के लिए सिर्फ पार्टी कार्यकर्ता ही नहीं बल्कि हिंदू युवा वाहिनी ने भी पूरी ताकत झोंक दी है। हिंदू युवा वाहिनी की टीम पूर्वांचल में चुनाव के मद्देनजर तैयारियों में जुट गई है। दिल्ली से भी हिंदू युवा वाहिनी की टीम पूरे पूर्वांचल में लगातार प्रचार कर रही है। चुनाव को लेकर हिंदू युवा वाहिनी के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष दिनेश अग्रवाल का कहना है कि उनका संगठन एक बार फिर से योगी आदित्यनाथ को सीएम बनाने के लिए मैदान में हैं। उनकी टीम योगी आदित्यनाथ के लिए लगातार प्रचार कर रही है। उन्होंने दावा किया कि एक बार फिर से यूपी में भगवा परचम लहराएगा।

इनको मिली थी इतनी सीटें

पिछले चुनाव में कुल 47 सीटें जीतने वाली सपा को 111 सीटों में से 13 मिली थी। जहां तक बसपा की बात है तो कुल 19 सीटें जीतने वाली बसपा को इस क्षेत्र की 11 सीटों पर सफलता मिली थी। बसपा प्रमुख मायावती को लगता है कि अबकी पहले से कहीं ज्यादा सीटें उसे क्षेत्र से भी मिलेंगी। 111 में से मात्र एक सीट जीतने वाली कांग्रेस पिछली बार सपा से गठबंधन के चलते क्षेत्र की कई सीटों पर नहीं लड़ रही थी लेकिन अबकी लगभग सभी सीटों पर उतरी कांग्रेस को उम्मीद है कि न केवल उसके वोट बैंक में इजाफा होगा बल्कि सीटें भी बढ़ेंगी।

चुनाव मैदान में भी हैं योगी

पूर्वांचल की लड़ाई इसलिए भी महत्वपूर्ण हो जाती है क्योंकि इस बार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खुद भी गोरखपुर सदर सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। चुनावी समीक्षकों की नजर इस पर भी है कि मैनपुरी के करहल से चुनाव लड़ रहे सपा मुखिया अखिलेश यादव अधिक मतों से जीतते हैं या गोरखपुर से योगी? यदि मैनपुरी सपा का पुराना गढ़ रहा है तो यहां आजमगढ़ से अखिलेश सांसद हैं। उनके पिता सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव भी सांसद रहे हैं। इस क्षेत्र में यादव-मुस्लिम वोटों का समीकरण भी अच्छा है। इसके इतर भाजपा इससे उत्साहित है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वाराणसी से सांसद हैं। उनका प्रभाव बाकी दलों के समीकरण प्रभावित कर सकता है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

मंडरा रहा परमाणु युद्ध का खतरा

"यूक्रेन और रूस के बीच पिछले छह दिनों से चल रहा युद्ध खतरनाक होता जा रहा। नाटो देशों द्वारा रूस को लेकर की जा रही बयानबाजी के कारण दुनिया के सामने परमाणु युद्ध का खतरा बढ़ गया है। रूस ने न केवल इसकी तैयारी शुरू कर दी है बल्कि परमाणु युद्धाभ्यास भी शुरू कर दिया है। यही नहीं वह बेलारूस में परमाणु हथियारों को तैनात करने जा रहा है।"

यूक्रेन और रूस के बीच पिछले छह दिनों से चल रहा युद्ध खतरनाक होता जा रहा। नाटो देशों द्वारा रूस को लेकर की जा रही बयानबाजी के कारण दुनिया के सामने परमाणु युद्ध का खतरा बढ़ गया है। रूस ने न केवल इसकी तैयारी शुरू कर दी है बल्कि परमाणु युद्धाभ्यास भी शुरू कर दिया है। यही नहीं वह बेलारूस में परमाणु हथियारों को तैनात करने जा रहा है। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने एक बार फिर धमकी दी है कि यूक्रेन को हथियार मुहैया कराने वालों को गंभीर नतीजे भुगतने पड़ेंगे। सवाल यह है कि क्या व्लादिमीर पुतिन परमाणु हमला कर सकते हैं? क्या एक बार फिर दुनिया परमाणु त्रासदी के मुहाने पर पहुंच चुकी है? विनाशक युद्ध से रूस को क्या मिलेगा? क्या कूटनीति के जरिए समस्या का समाधान नहीं किया जा सकता है? क्या रूस, यूक्रेन के स्वतंत्र अस्तित्व को खत्म करने के बाद ही रुकेगा? आखिर निर्दोष लोगों की मौतों का जिम्मेदार कौन होगा? क्या अमेरिका समेत विश्व के तमाम देशों को जल्द से जल्द इस मामले में कूटनीतिक पहल करने की जरूरत समझ में नहीं आ रही है? क्या व्यापक परमाणु युद्ध पूरी दुनिया का नक्शा और लाखों लोगों की जान नहीं ले लेगा?

नाटो सैन्य संगठन में शामिल होने से रोकने के लिए रूस ने यूक्रेन के खिलाफ जिस जंग का ऐलान किया था, वह धीरे-धीरे खतरनाक मोड तक पहुंचता जा रहा है। प्रतिबंधों से नाराज रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने अब अपने ब्रह्मास्त्र को चलाने की तैयारी कर ली है। पुतिन नाटो देशों को पहले ही धमका चुके हैं कि यदि कोई बीच में पड़ेगा तो उसे भयानक अंजाम भुगतने पड़ेंगे। यूक्रेन के प्रतिरोध और दुनिया भर के देशों द्वारा रूस के खिलाफ प्रतिबंधों के ऐलान ने पुतिन का पारा और भी चढ़ा दिया है। अब वे परमाणु हमले की तैयारी कर रहे हैं। पुतिन ने न केवल दूसरे देशों में रहने वाले अपने नागरिकों को वापस बुलाना शुरू कर दिया है बल्कि यूक्रेन की राजधानी कीव के लोगों को बाहर जाने को कह दिया है। रूस ने नाटो देशों की बयानबाजी के बाद अपने एयर स्पेस को भी विभिन्न देशों के लिए बंद कर दिया है। परमाणु बल यूक्रेन पर हमला करने के लिए परमाणु युद्धाभ्यास भी शुरू कर चुके हैं। साथ ही सामरिक मिसाइल कमांड को भी अलर्ट मोड पर रख दिया गया है। फिलहाल रूस-यूक्रेन की वार्ता नाकाम रही है। वहीं अमेरिका व नाटो के देश कूटनीति पहल करते नहीं दिख रहे हैं। ऐसे में दुनिया के सामने परमाणु युद्ध का खतरा बढ़ गया है। यदि ऐसा हुआ तो यह दुनिया के लिए बड़ी त्रासदी होगी। कोई भी देश इसके प्रभाव में आने से नहीं बच सकेगा। पूरी मानव जाति खतरे में पड़ जाएगी।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

कांग्रेस के बगैर अधूरा रहेगा गठबंधन

योगेन्द्र योगी

तेलंगाना के मुख्यमंत्री चन्द्रशेखर राव ने भाजपा और कांग्रेस के खिलाफ क्षेत्रीय दलों की एकजुटता को लेकर एनसीपी के अध्यक्ष शरद पवार और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे से मुलाकात की। राव से पहले क्षेत्रीय दलों को एक जाजम पर लाने का ऐसा ही प्रयास पश्चिमी बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भी कर चुकी हैं। ममता को इसमें कोई सफलता नहीं मिली। पवार ने पहले भी कहा था कि कांग्रेस को शामिल किए बगैर ऐसा कोई गठबंधन कामयाब नहीं होगा। क्षेत्रीय दलों के सामने संकट यह है कि फिलहाल कांग्रेस उनकी प्रतिद्वन्दी हो या नहीं किन्तु गठबंधन के बाद कांग्रेस के विस्तार से बचना संभव नहीं है। ऐसे में क्षेत्रीय दलों के अस्तित्व को भाजपा के साथ कांग्रेस से भी उतना बड़ा खतरा नजर आता है। फर्क सिर्फ इतना है कि भाजपा से खतरा प्रत्यक्ष है और कांग्रेस से पर्दे के पीछे। यही वजह है कि भाजपा के साथ ही क्षेत्रीय दल कांग्रेस से भी समान दूरी बनाने रखने की कवायद में जुटे हुए हैं।

पवार को इस बात का एहसास है कि कांग्रेस के बगैर गैर भाजपा विपक्षी गठबंधन बेहद कमजोर साबित होगा। पंवार की यह बात क्षेत्रीय दलों के गले नहीं उतरती। इसका कारण भी साफ है कि कांग्रेस से भी क्षेत्रीय दलों को उनके राज्य में उतनी ही बड़ी चुनौती है, जितनी भाजपा से। ऐसे में सीटों के बंटवारे में कांग्रेस का सबसे बड़ा हिस्सा रहेगा। विशेषकर ऐसे राज्यों में जहां विपक्षी पार्टी के तौर पर सिर्फ कांग्रेस का मजबूत आधार है। कांग्रेस ही एकमात्र ऐसा दल है जिनका सांगठनिक आधार पूरे देश में मौजूद है। ऐसे में विपक्षी एकता में कांग्रेसी की हिस्सेदारी सभी राज्यों में होगी। कांग्रेस को शामिल करने का मतलब यह है भी है कि जिन राज्यों में क्षेत्रीय दलों की सत्ता है, उनमें सीटों में हिस्सेदारी भी करना, जिसके क्षेत्रीय दल प्रारंभ से ही सख्त खिलाफ हैं। दरअसल क्षेत्रीय दल अपने जनाधार वाले राज्यों को छोड़ कर दूसरे राज्यों में सत्ता में भागीदारी चाहते हैं। उन राज्यों में भी कांग्रेस प्रमुख विपक्षी दल के रूप में मौजूद है। ऐसे में कांग्रेस को अकेला छोड़ना आसान नहीं है।

भाजपा के खिलाफ एकजुटता में क्षेत्रीय दलों का कांग्रेस को साथ नहीं लेना भी दर्शाता है कि उन्हें घर में सेंध लगने की चिन्ता है। क्षेत्रीय दलों की एकजुटता में कांग्रेस गले की फांस बनी है। कांग्रेस के बगैर इनकी एकजुटता अधूरी है। भाजपा से राजनीतिक जंग कांग्रेस को शामिल किए बगैर नहीं लड़ी जा सकती। क्षेत्रीय दलों की एकजुटता में बाधा सिर्फ कांग्रेस ही नहीं

है, बल्कि ऐसे दूसरे महत्वपूर्ण मुद्दे भी हैं, जिन पर एकराय कायम करना टेढ़ी खीर है। जिन राज्यों में क्षेत्रीय पार्टियों का संगठन और सत्ता नहीं है, वहां चुनाव में आह्वान करने का फायदा क्या होगा। ऐसे राज्यों में फायदा तो कांग्रेस या भाजपा को ही होना है। कुछ छुटभैय्या किस्म के राजनीतिक दल यदि ऐसे राज्यों में हैं भी तो जनमानस को उनकी तरफ मोड़ना इतना आसान नहीं हैं। यदि सारे क्षेत्रीय दल एकजुट होकर अपना प्रत्याशी भाजपा और कांग्रेस के खिलाफ उतार भी दें तो उनके टिकट वितरण में सिर फुटव्वल की नौबत आ जाएगी। प्रत्याशियों को चुनना और उनके लिए चुनावी खर्चे का इंतजाम करना आसान काम नहीं है। पूर्व में ऐसा हो चुका है कि दूसरे राज्यों में कुछ सीटें जीतने के बाद क्षेत्रीय दल के विधायक कांग्रेस या भाजपा की झोली में चले गए। क्षेत्रीय दलों के गठबंधन में प्रमुख बाधा क्षेत्रीय दल वाले पड़ोसी राज्य भी हैं। कई राज्यों में क्षेत्रीय दलों में आपस में ही प्रतिस्पर्धा है। हर क्षेत्रीय दल अपने पड़ोसी राज्य में अपना विस्तार चाहता है। ऐसे में दूसरे क्षेत्रीय दलों से टकराव होना तय है। वहीं क्षेत्रीय पार्टियां राष्ट्रीय जिम्मेदारी निभाने से बचती रही हैं।

क्षेत्रीय दल अपने राज्यों में अल्पसंख्यकों का वोट बैंक खिसकने के भय से कठोर कार्रवाई से मुंह चुराते रहे हैं। इसका उदाहरण पश्चिमी बंगाल और बिहार रहे हैं। पश्चिमी बंगाल में राज्य की पुलिस ने आतंकियों को पनाह देने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की हिम्मत नहीं जुटाई। इंटेलीजेंस की सूचनाओं के बाद आखिरकार केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों को कार्रवाई करने के लिए मजबूर होना पड़ा। सिर्फ अल्पसंख्यकों का ही नहीं बल्कि क्षेत्रीय दलों के सामने भ्रष्टाचार से निपटना भी प्रमुख चुनौती रही है। इस विषबेल का क्षेत्रीय दलों ने मुखर विरोध नहीं किया।

ममता हो या चंद्रशेखर राव, किसी के लिए भी कांग्रेस को शामिल किए बगैर राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा के खिलाफ गठबंधन बनाना आसान नहीं है। यदि ऐसा गठबंधन बन भी गया तो वह कांग्रेस के बगैर वह रीढ़विहीन ही होगा। क्षेत्रीय दलों को देश की एकता-अखंडता के मुद्दे पर अपना नरम रवैया छोड़ना होगा। इसके साथ ही देश के विकास का मजबूत खाका पेश करना होगा।

भारत में ड्रोन सेक्टर की संभावनाएं

प्रभात सिन्हा

वित्त वर्ष 2022-23 के लिए बजट प्रस्तुत करते हुए अपने भाषण में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने ड्रोन शक्ति योजना का विवरण भी पेश किया था। इसमें कोई संदेह नहीं है कि अब ड्रोन सिर्फ रक्षा क्षेत्र में उपयोग होनेवाले उपकरण भर नहीं रहे हैं, बल्कि बहुद्देश्यीय उपकरण के तौर पर उभर रहे हैं। इनका उपयोग शासन, खेती, रसद जैसे कई क्षेत्रों के लिए किया जा सकता है तथा दुनिया के कई हिस्सों में ऐसा किया भी जा रहा है। वित्त मंत्री ने बजट में कृषि क्षेत्र में ड्रोन के व्यापक उपयोग का प्रस्ताव रखा, जिसमें कीटनाशकों और पोषक तत्वों का छिड़काव शामिल है। प्रस्तावित 'ड्रोन ऐज ए सर्विस' मॉडल से नये व्यवसाय और रोजगार के अवसर विकसित होंगे।

ड्रोन शक्ति योजना के तहत स्टार्टअप उद्यमों को विभिन्न क्षेत्रों में ड्रोन के इस्तेमाल के लिए प्रोत्साहित करने का प्रस्ताव है। साथ ही, देश के सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के चुनिंदा आईटीआई पाठ्यक्रमों में ड्रोन से संबंधित शिक्षण-प्रशिक्षण को शामिल करने से ड्रोन-आधारित पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूती मिलेगी। हालांकि ड्रोन पिछले दो दशकों से मौजूद हैं लेकिन पिछले कुछ वर्ष मानव रहित हवाई वाहनों के विकास में बहुत महत्वपूर्ण रहे हैं। हम इन्हें फ्लाइंग मिनी रोबोट या पायलट विहीन लघु विमान कह सकते हैं। ड्रोन की प्रमुख गतिविधियां उड़ानों की पायलटिंग और संचालन, डेटा विश्लेषण और डेटा प्रसंस्करण हैं। ड्रोन आईओटी तकनीक का उपयोग कर बनाये जाते हैं, जिसमें एक नियंत्रक शामिल होता है, जहां से लॉन्च, नेविगेशन और लैंडिंग गतिविधियों को या तो रिमोट कंट्रोल या मोबाइल इत्यादि की मदद से नियंत्रित किया जाता है। जमीन पर बैठे नियंत्रक ड्रोन की वाई-फाई जैसी रेडियो तरंगों के साथ संवाद करते हैं।

किसी भी अन्य सक्रिय डिवाइस की तरह ड्रोन को भी बैटरी या ईंधन जैसे ऊर्जा स्रोत की आवश्यकता होती है। ड्रोन प्रोपेलर, रोटर और एक फ्रेम से लैस होता है। ड्रोन मिश्रित और हल्के पदार्थों से बने होते हैं ताकि उनका वजन कम रहे और उनकी परिवहन क्षमता बेहतर हो सके। जटिल गतिविधियों में प्रभावी तरीके से भागीदारी कर ड्रोन व्यवसायों अथवा सरकार को लाभ पहुंचाते हैं। ड्रोन बहुत कम या बिना किसी मानवीय हस्तक्षेप के साथ न्यूनतम आवश्यक प्रयास, समय और ऊर्जा के भीतर दूरदराज के क्षेत्रों तक पहुंच सकते हैं। इसी का नतीजा है कि ड्रोन को दुनियाभर में बहुत तेजी से अपनाया जा रहा है, विशेष रूप से सैन्य, वाणिज्यिक, व्यक्तिगत और भविष्य की प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में। हाल ही में केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने दूरदराज के क्षेत्रों में टीकों की आपूर्ति के लिए ड्रोन तकनीक के उपयोग के लिए तेलंगाना राज्य सरकार की एक परियोजना को मंजूरी दी है। इसके तहत ड्रोन सिर्फ खेतों में समान रूप से कीटनाशकों और सूक्ष्म पोषक तत्वों का छिड़काव और फसलों की निगरानी ही नहीं करेंगे बल्कि किसानों की अन्य चुनौतियों की प्रभावी तौर पर पहचान भी करेंगे।

सरकार द्वारा शुरू की गयी 'स्वामित्व' योजना ने लाखों गांवों के निवासियों को संपत्ति कार्ड प्रदान किया है। ड्रोन का उपयोग अग्नि सुरक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और बाढ़ राहत जैसी आपातकालीन सेवाओं के लिए प्रभावी ढंग से किया जा सकता है, जहां मानवीय हस्तक्षेप जोखिम भरा हो सकता है। उदाहरण के रूप में, अभी हाल ही में बिहार में पुलिस ने शराबबंदी कानून को लागू करने के लिए ड्रोन का उपयोग करना शुरू कर दिया है। उल्लेखनीय है कि ड्रोन के अनुचित उपयोग से भारी सामरिक नुकसान भी हो सकता है। ड्रोन पारंपरिक हथियारों की तुलना में सस्ते हैं, लेकिन फिर भी बेहतर पहुंच के साथ विनाशकारी हो सकते हैं। इसी कारण से ड्रोन हमलों की संख्या बढ़ रही है। हमारे देश ने पिछले साल जम्मू हवाई अड्डे पर एक ड्रोन हमले का सामना किया था। नतीजतन, डीआरडीओ ने एक एंटी-ड्रोन प्रणाली विकसित की है और दूसरी प्रणाली पर काम चल रहा है। एंटी-ड्रोन सिस्टम में सॉफ्ट किल और हार्ड किल विकल्प उपलब्ध हैं। सॉफ्ट किल ऑप्शन ड्रोन को जाम करता है तथा हार्ड-किल ऑप्शन लेजर तकनीक, दूसरे ड्रोन या मिसाइल की मदद से ड्रोन को मारता है। ड्रोन के विनाशकारी उपयोग को रोकने के लिए सरकार को सख्त नियम-कानून बनाने चाहिए। रक्षा ड्रोन का खरीद-बिक्री किसी भी परिस्थिति में गैर-रक्षा उद्देश्यों के लिए नहीं होनी चाहिए। एक आयरिश कंपनी मन्ना ने पिछले साल अपनी ड्रोन डिलीवरी सेवाएं शुरू की थीं। उनके मुताबिक ड्रोन डिलीवरी कार आधारित डिलिवरी की तुलना में 90 फीसदी सस्ती है। निश्चित तौर पर ड्रोन उद्योग में अप्रतिम संभावनाएं हैं क्योंकि ड्रोन सेवा बाजार 2021 के हालिया बाजार मूल्य 13.9 अरब डॉलर के 2026 में 40.7 अरब डॉलर तक हो जाने की उम्मीद है। देश में ड्रोन सेक्टर के विकास को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने ड्रोन और इसके कच्चे माल के आयात पर प्रतिबंध लगा दिया है। कोरोना काल के दौरान लगे लॉकडाउन से ड्रोन प्रौद्योगिकी के उपयोग को बढ़ावा मिला। कई सरकारी संगठनों ने भी मानवरहित होने के कारण ड्रोन का उपयोग किया। ई-कॉमर्स की कई प्रमुख कंपनियों ने पहले ही अपनी ड्रोन डिलीवरी सेवाएं शुरू कर चुकी हैं। ड्रोन क्षेत्र एक आकर्षक व्यवसाय के तौर पर उभर रहा है, जिसमें पर्याप्त रोजगार के अवसरों के साथ कई अन्य उद्योगों को विकसित करने की क्षमता है।

प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट और डाइटरी फाइबर से भरपूर होता है अंकुरित लहसुन

अधिकांश लोग अपनी व्यस्त जीवन शैली के कारण सही आहार नहीं ले पाते हैं। जिससे न केवल पोषक तत्वों की कमी के कारण उनका स्वास्थ्य काफी हद तक प्रभावित होता है, बल्कि शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता कम होने के कारण उन्हें समय से पहले ही कई गंभीर बीमारियों का शिकार होना पड़ता है। लेकिन आप अपने आहार में अंकुरित लहसुन को शामिल करके स्वास्थ्य संबंधी सभी समस्याओं को दूर कर सकते हैं। दरअसल, अंकुरित लहसुन प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट और डाइटरी फाइबर से भरपूर होता है। साथ ही इसके एंटी-ऑक्सीडेंट तत्व शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में मदद करते हैं। वहीं पुराने यानी अंकुरित लहसुन में ताजा लहसुन की तुलना में एंटी-ऑक्सीडेंट अधिक मात्रा में पाए जाते हैं। इसलिए विशेषज्ञ भी अंकुरित लहसुन खाने की सलाह देते हैं। तो आइए जानते है अंकुरित लहसुन के कुछ अनोखे फायदों के बारे में बताते हैं।

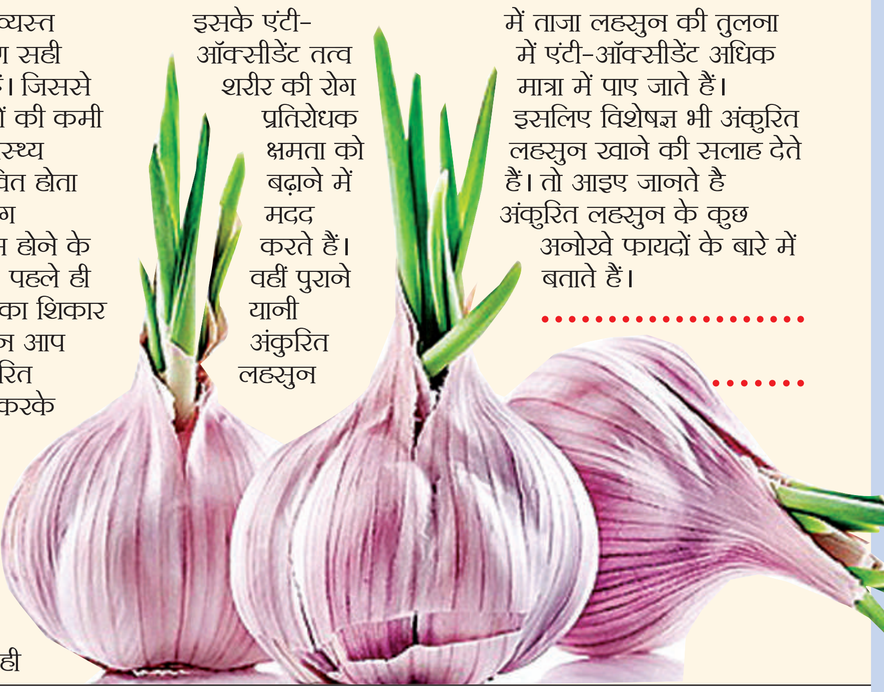

कैंसर से लड़ने में मददगार

कैंसर आज पूरी दुनिया में गंभीर बीमारियों में से एक है। यह बीमारी जितनी खतरनाक है इसका इलाज उतना ही मुश्किल है। वहीं, लहसुन कैंसर होने की संभावना को भी कम करता है। इसमें मौजूद एंटी-बैक्टीरियल गुण कैंसर से निपटने में कारगर होते हैं।

एंटी एजिंग गुण होते हैं

लहसुन को अपनी डाइट में शामिल कर आप बढ़ती उम्र के असर से भी बच सकते हैं। इसके साथ ही लहसुन के सेवन से झुर्रियों, नाखूनों और मुंहासों की समस्या को भी दूर किया जा सकता है।

लहसुन दिल को स्वस्थ रखता है

अंकुरित लहसुन में एंजाइम तत्व पाए जाते हैं। जो दिल को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं। वहीं रोजाना अंकुरित लहसुन का सेवन करने से हार्ट अटैक और हार्ट स्ट्रोक जैसी बीमारियों से भी बचा जा सकता है।

स्ट्रोक का खतरा कम होगा

शरीर के किसी भी हिस्से में बार-बार खून जमा होने से स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है। लेकिन एंजाइम से भरपूर होने के कारण लहसुन का सेवन स्ट्रोक की संभावना को कम करने में कारगर है। वहीं दूसरी ओर अंकुरित लहसुन में नाइट्राइट्स पाए जाते हैं, जो धमनियों को पतला करके खून को जमने से रोकता है और शरीर में रक्त संचार को बेहतर करने का काम करता है।

इम्युनिटी बढ़ाता है लहसुन

अंकुरित लहसुन एंटी-ऑक्सीडेंट से भरपूर होता है। यह शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में काफी कारगर है। यही कारण है कि लहसुन का सेवन संक्रमण और वायरस को दूर रखने में भी मदद करता है।

हंसना मना है

ट्रेन में लिखा था, बिना टिकट यात्रा करने वाले यात्री होशियार! उसी ट्रेन में चिंटू भी जा रहा था उसने ये लाइन पढ़ी और बोला- वाह, जो टिकट न खरीदें वो वो होशियार, हमने जो खरीद के रखी है तो हम बेवकूफ हैं क्या?

पिता: पेपर कैसा गया? बेटा: पहला सवाल छूट गया, तीसरा आता नहीं था, चौथा करना भूल गया, पांचवां नजर नहीं आया! पिता: और सवाल दो? बेटा: बस सिर्फ वो ही गलत हो गया।

गोलू: तुम चाय पीने के लिए किस हद तक जा सकते हो? भोलू: एक बार तो लड़की तक देखने चला गया था

पिताजी डांटते हुए बोल: राजू तुम्हें फूल तोड़ लाने को कहा था और तुम पूरी डाली तोड़ लाए, जल्दी बोलो क्यों? राजू: पिताजी, वहां लिखा था कि फूल तोड़ना मना है, इसलिए मैं डाली सहित तोड़ लाया...

रमेश: तुम्हें मेरे अंदर सबसे अच्छी बात क्या लगती है? पिंकी: लोग समय के साथ बदल जाते हैं लेकिन तुम नहीं बदले, रमेश: वह कैसे? लड़की: जब मैं तुमसे मिली थी तब भी बेरोजगार थे और आज भी बेरोजगार हो...

सास: जमाई राजा, अगले जन्म में आप क्या बनोगे? जमाई: सासू मां मैं अगले जन्म में छिपकली बनूंगा। सास: छिपकली क्यूं? जमाई: क्योंकि मेरी बीवी छिपकली से बहुत डरती है।

किसके लिए

एक दिन अकबर दरबार में आये, तो वह बहुत गुस्से में थे। कोई कुछ भी पूछता तो वह गुस्से में ही उत्तर देते। दरबारी समझ गये कि आज बादशाह का मूड ठीक नहीं है। दरबार समाप्त होने पर बीरबल ने अकबर से उनके गुस्से का कारण पूछा। अकबर ने कहा, अरे, छोड़ो न इस बात को! मेरा दामाद बड़ा पाजी है। मैं गुस्सा न करूं तो क्या करूं? हमेशा उल्टी-सीधी हरकतें करता रहता है। अब देखो न, अपनी बेटी से मिले हुए मुझे एक वर्ष हो गया है। फिर भी मेरा दामाद उसे नहीं भेजता। अकबर ने गुस्से से कहा। जहांपनाह, इसमें इतना नाराज होने वाली क्या बात है ? मैं आज ही बेटी को लाने के लिए आदमी भेज देता हूं। आदमी तो मैंने भी भेजा था, पर दामाद मानता ही नहीं। वास्तव में यह दामाद जाति होती ही बहुत खराब है। अब तुम एक काम करो। मैदान में कुछ सूलियां तैयार करवाओ। हम अपने राज्य के सभी दामादों को सूली पर चढ़ा देंगे। बीरबल ने बादशाह अकबर को बहुत समझाया फिर भी उनका गुस्सा शान्त नहीं हुआ। वह कोई बात सुनने को तैयार नहीं थे। आखिरकार बीरबल ने एक मैदान में कुछ सूलियां तैयार करा दी। जब बीरबल अकबर को मैदान में सूलियां दिखाने ले गये, तो सूलियां देखकर बादशाह को तसल्ली हो गयी। वह बोले ठीक है, अब मैं अपने राज्य से दामादों का नामोनिशान मिटा दूंगा। इतने में एक सोने और एक चांदी की सूलियों पर अकबर की नजर पड़ी तो वे चौंके। उन्होंने बीरबल से पूछा, अरे बीरबल, तुमने ये दो कीमती सूलियां किसके लिए बनावायी हैं ? बीरबल ने सिर झुकाकर कहा, हुजूर! सोने की सूली आपके लिए और चांदी की मेरे लिए। बादशाह अकबर सोच में पड़ गये। उन्होंने बीरबल से कहा, मैंने तुम्हें ऐसा करने के लिए कब कहा था ? हम दोनों को सूलियों पर थोड़े ही चढ़ना है ? जहांपनाह! आपने राज्य के सभी दामादों को सूली पर चढ़ाने के लिए कहा था। आप और मैं भी तो किसी के दामाद हैं। यदि सभी दामाद सूलियों पर चढ़ाए जाएंगे, तो हम भी कहां बच पाएंगे ? आप बादशाह हैं, इसलिए आपके लिए सोने की सूली बनवायी और मैं आपका खास आदमी हूं, इसलिए अपने लिए चांदी की सूली बनवाई है। देखें, दोनों सूलियां कितनी अच्छी बनी हैं? बीरबल की बात सुनकर बादशाह अकबर सन्न रह गये। उन्हें अपनी भूल समझ में आ गयी। उन्होंने फौरन राज्य के दामादों को सूलियों पर चढ़ाने का आदेश रद्द कर दिया।

शिक्षा : जब आप लोगों को गुस्से और जल्दी में वर्गीकृत करते हैं तो निश्चित कर लें कि आप भी उस श्रेणी में न आ जाए। कोई भी निर्णय लेने से पहले एक बार उस पर विचार कर लें नहीं तो कई बार परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

5 अंतर खोजें

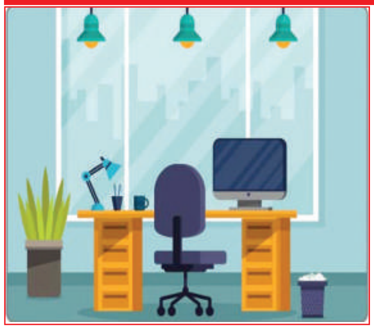

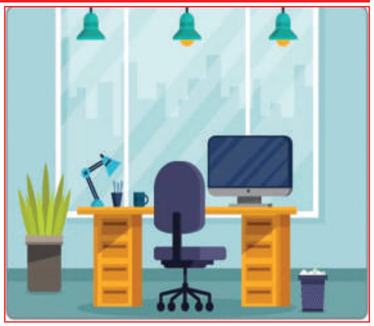

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। आय में वृद्धि तथा उन्नति मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

वृषभ

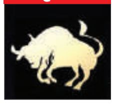

नई योजना लागू करने का श्रेष्ठ समय है। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक कार्य सफल रहेंगे। मान-सम्मान मिलेगा। कार्यसिद्धि होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

मिथुन

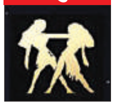

किसी जानकार प्रबुद्ध व्यक्ति का सहयोग प्राप्त होने के योग हैं। तंत्र-मंत्र में रुचि रहेगी। किसी राजनयिक का सहयोग मिल सकता है। लाभ के दरवाजे खुलेंगे।

कर्क

बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। नौकरी में सुकून रहेगा। जल्दबाजी में कोई आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है।

सिंह

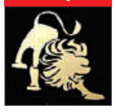

स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। बनते कामों में विघ्न आएंगे। चिंता तथा तनाव रहेंगे। जीवनसाथी से सामंजस्य बैठाएं। फालतू खर्च होगा। कुसंगति से बचें। जल्दबाजी न करें।

कन्या

घर-बाहर प्रसन्नतादायक वातावरण रहेगा। नौकरी में चैन महसूस होगा। व्यापार से संतुष्टि रहेगी। संतान की चिंता रहेगी। प्रतिद्वंद्वी तथा शत्रु हानि पहुंचा सकते हैं। प्रसन्नता रहेगी।

तुला

दुखद सूचना मिल सकती है, धैर्य रखें। फालतू खर्च होगा। कुसंगति से बचें। बेकार की बातों पर ध्यान न दें। अपने काम पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

वृश्चिक

भूले-बिसरे साथी तथा आगंतुकों के स्वागत तथा सम्मान पर व्यय होगा। आत्मसम्मान बना रहेगा। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। बड़ा काम करने का मन बनेगा।

धनु

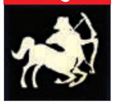

प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। किसी वरिष्ठ व्यक्ति के सहयोग से कार्य की बाधा दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी। परिवार के लोग अनुकूल व्यवहार करेंगे।

मकर

यात्रा मनोनुकूल मनोरंजक तथा लाभप्रद रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति संभव है। व्यापार-व्यवसाय से मनोनुकूल लाभ होगा। घर-बाहर सफलता प्राप्त होगी।

कुम्भ

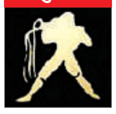

पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बनेगा। स्वादिष्ट व्यंजनों का लाभ मिलेगा। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल रहेंगे। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। काम में मन लगेगा। शेयर मार्केट में लाभ रहेगा।

मीन

स्वास्थ्य का ध्यान रखें। चोट व दुर्घटना से बचें। आय में कमी रह सकती है। घर-बाहर असहयोग व अशांति का वातावरण रहेगा। अपनी बात लोगों को समझा नहीं पाएंगे।

18 मार्च को अमेजन प्राइम पर रिलीज होगी जलसा

प्राइम वीडियो ने अपनी नई फिल्म जलसा के प्रीमियर की घोषणा की है। विद्या बालन और शेफाली शाह अभिनीत ड्रामा-थ्रिलर 18 मार्च को प्लेटफॉर्म पर रिलीज होगी। इस फिल्म का निर्देशन सुरेश त्रिवेणी ने किया है, जो विद्या को इससे पहले तुम्हारी सुलु में निर्देशित कर चुके हैं। जलसा एक जानी-मानी पत्रकार और उसकी कुक के जीवन के माध्यम से सुनाई गई संघर्ष की एक बेहद दिलचस्प और अनोखी कहानी है, जिसमें रोमांच की हैवी डोज मिलने की सम्भावना है। प्राइम वीडियो ने रिलीज के डेट के साथ विद्या और शेफाल के किरदारों के फर्स्ट लुक पोस्टर भी जारी किये हैं, जो इनके किरदारों के अलग-अलग भावों को जाहिर कर रहे हैं।

जलसा का निर्माण अबुदंतिया एंटरटेनमेंट और टी-सीरीज ने किया है। फिल्म में मानव कौल, रोहिणी हट्टंगड़ी, इकबाल खान, विधात्री बंदी, श्रीकांत मोहन, शफीन पटेल और सूर्या कसीभटला भी अहम किरदारों में नजर आने वाले हैं। प्राइम वीडियो पर रिलीज होने वाली विद्या बालन की यह तीसरी फिल्म है। इससे पहले शकुंतला देवी और शेरनी सीधे प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम की जा चुकी हैं। अमेजन प्राइम वीडियो के हेड कंटेंट लाइसेंसिंग मनीष मेंघानी ने कहा, ड्रामा और रोमांच के बेहतरीन मिश्रण में लिपटी जलसा वास्तव में एक अलग कहानी पेश करती है, जिसे शानदार कलाकारों के प्रदर्शन से बेहतर बनाया गया है। जलसा अबुदंतिया एंटरटेनमेंट के साथ हमारे लंबे समय से चल रहे सफल सहयोग में एक अन्य एडिशन है, जिसमें इससे पहले शकुंतला देवी, शेरनी, छोरी जैसे टाइटल शामिल हैं। हम विद्या के एक और शानदार प्रदर्शन के साथ वापसी के लिए खुश हैं, जिसे दर्शकों द्वारा निश्चित रूप से पसंद किया जाएगा। अबुदंतिया एंटरटेनमेंट के सीईओ और निर्माता विक्रम मल्होत्रा ने कहा, जलसा कॉम्प्लेक्स ह्यूमन साइकी और इमोशनल ट्रिगर का एक विस्तृत वर्णन है, जो एक ऐसी घटना के आधार पर प्रदर्शित होता है, जिसने इतने सारे लोगों के जीवन को बदल दिया है। फिल्म का श्रेय विद्या बालन, शेफाली शाह और सभी सहायक कलाकारों को जाता है। टी-सीरीज के अध्यक्ष भूषण कुमार ने कहा, एयरलिफ्ट, शेरनी और छोरी जैसी फिल्मों के साथ हमारा सफल कॉलोबोरेशन रहा है और मैं जलसा के साथ उसी जादू को फिर से दोहराने के लिए उत्सुक हूं।

बॉलीवुड | मन की बात

भंसाली की फिल्म में इंटिमेट सीन करना चाहती हैं उर्फी जावेद

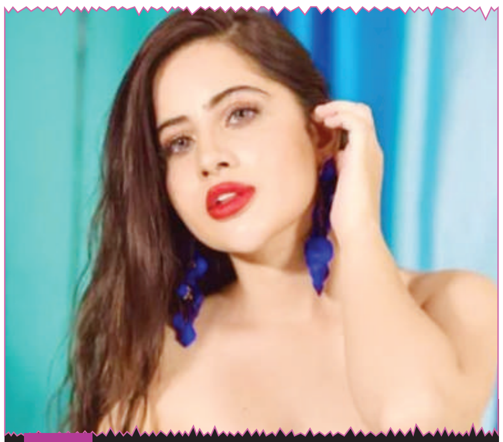

टीवी अभिनेत्री उर्फी जावेद हमेशा अपने बोल्ड अंदाज को लेकर सुर्खियों में रहती हैं। वह हमेशा सोशल मीडिया के अलावा मुंबई की सड़कों पर भी अपना बोल्ड अंदाज बिखेरती घूमती हैं। अब उर्फी जावेद ने फिल्मों में न्यूड सीन करने को लेकर बड़ा बयान दिया है, जिसकी काफी चर्चा हो रही है। उन्होंने बताया है कि वह किन कंडीशन्स में फिल्मों में न्यूड सीन कर सकती हैं। उर्फी जावेद ने हाल ही में अंग्रेजी वेबसाइट कोईमोई से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने अपने करियर और फिल्मों में न्यूड सीन करने को लेकर भी बड़ी बात कही है। उर्फी जावेद से पूछा गया कि क्या वह ऐसी फिल्म के लिए हां कहेंगी जिसमें न्यूड सीन करने हों? इस सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, मैं न्यूड क्यों होना चाहूंगी? अगर सिर्फ तुम मुझे न्यूड देखना चाहते हो तो उसके लिए बिल्कुल नहीं करूंगी। अभिनेत्री ने आगे कहा, लेकिन अगर इसकी सच में जरूरत पड़ती हैं। एक अच्छी फिल्म के लिए जिसमें लोग सच में मेरे एक्टिंग देखना चाहते हैं तो फिर मैं अपने कपड़ें से कहीं ज्यादा हूं और मुझे लगता है कि मैं टैलेंटेड हूं, मैं एक अच्छी एक्टर हूं। अगर मौका दिया जाए तो मैं निश्चित रूप से इसके बारे में सोचूंगी। अगर संजय लीला भंसाली की फिल्मों जैसा कोई अच्छा प्रोजेक्ट मिलता है तो सोच सकती हूं। उर्फी जावेद ने कहा, मुझे भंसाली पर पूरा भरोसा है। आपको निर्देशक पर भरोसा होना चाहिए कि वह आपको ऐसा करने के लिए मजबूर नहीं कर सके, ताकि लोग मुझे न्यूड देख सकें और वह उस सीन पर उस फिल्म को बेच सकें। वह ऐसा नहीं करते।

टीवी पर होगा मीका सिंह का स्वयंवर

बॉलीवुड | मसाला

नेशनल टीवी पर आप अब तक कई फेमस सेलिब्रिटीज को अपने पार्टनर की तलाश करते हुए देख चुके हैं। टीवी पर पार्टनर ढूंढने का ट्रेंड काफी पहले से चल रहा है। रतन राजपूत, राखी सावंत जैसी पॉपुलर एक्ट्रेसेस टीवी पर स्वयंवर रचा चुकी हैं लेकिन अब बॉलीवुड के मोस्ट फेमस सिंगर मीका सिंह एक रियलिटी शो में अपनी दुल्हन की तलाश करते हुए नजर आ सकते हैं। जी हां, लेटेस्ट रिपोर्ट्स की मानें तो मीका सिंह टीवी पर अपना स्वयंवर रचाने जा रहे हैं। ईटाइम्स को सूत्र ने बताया है- ये रियलिटी शो पहले हो चुके स्वयंवर की तरह ही होगा। शो को कुछ ही महीनों में ऑन एयर करने की प्लानिंग है। सूत्र ने आगे बताया- मीका सिंह शो में शादी नहीं करेंगे। वो सिर्फ सगाई करेंगे और उसके बाद में अपने रिश्ते को आगे बढ़ाएंगे। सूत्र ने यह भी कहा- शो का हिस्सा बनने के लिए मीका सिंह काफी ज्यादा एक्साइटेड हैं। देशभर से कंटेस्टेंट्स इस शो का हिस्सा बनने वाले हैं।

राहुल महाजन ने की थी रियलिटी शो में शादी

सेलेब्स के टीवी पर होने वाले स्वयंवर की बात करें तो इन शोज को हमेशा ही फैंस का बेशुमार प्यार मिला है। हालांकि फीमेल सेलेब्स जैसे राखी सावंत, रतन और मल्लिका शेरावत ने शो में पसंद किए हुए कंटेस्टेंट्स के साथ शादी नहीं रचाई थी।

धरती पर सिर्फ इस जगह नहीं पहुंचा कोरोना, जानिए क्या है वजह

दुनिया भर में कोरोना महामारी ने खूब तबाही मचाई। कई लोगों को अपनी जान से भी हाथ धोना पड़ा। इस महामारी ने बच्चों से लेकर बड़ों तक किसी को भी नहीं छोड़ा। दरअसल, कोरोना एक ऐसी बीमारी है जो बहुत जल्दी फैलती है। इसका संक्रमण एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में बहुत तेजी से फैलता है। हालांकि अभी भी ये बीमारी दुनिया से खत्म नहीं हुई है। एक के बाद एक लहर ने दस्तक देकर लोगों को दहशत में डाल दिया है। वैसे तो दुनियाभर में इसके लिए वैक्सीन भी उपलब्ध है, लेकिन इस बीमारी से बचने के लिए सावधानी ही उपाय है। दुनिया में शायद ही कोई ऐसी जगह हो जहां कोरोना का प्रभाव न देखा गया हो। हालांकि ऐसा नहीं है दुनिया में एक ऐसी भी जगह है जहां कोरोना का एक भी मरीज नहीं मिला। दावा किया जा रहा है कि यहां पर कोरोना के एक भी मामले सामने नहीं आए हैं जो अपने आप में एक रिकॉर्ड है। आपको जानकर हैरानी होगी कि ये जगह कहीं और नहीं भारत में ही है। वैसे यहां पहुंचना हर किसी के बस की बात नहीं है। भारत में ये जगह अंडमान-निकोबार द्वीप समूह में है। इस जगह का नाम सेंटिनल द्वीप है जो अंडमान-निकोबार के उत्तर में है। इस द्वीप पर यहां स्थानीय जनजाति के अलावा कोई दूसरा समुदाय नहीं रहता है। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार इस द्वीप को दुनिया का सबसे एकांत जगह माना जाता है इस द्वीप पर एक बेहद ही खतरनाक जनजाति रहती है। ये जनजाति इस द्वीप पर लगभग 60 हजार सालों से निवास करती है। इस जनजाति के लोग आज भी पुरानी जीवन शैली से ही जीवन यापन करते हैं। इन्होंने आधुनिक जीवन शैली को पूरी तरह से नकार दिया है। इस जनजाति का भारत सहित पूरी दुनिया से कोई लेना देना नहीं है। सोशल डिस्टेंसिंग कोरोना से बचने के लिए सबसे ब?ा हथियार है। अब ऐसे में इस द्वीप के लोगों ने पूरी दुनिया से दूरी बना रखी थी। इस द्वीप पर न कोई बाहर से आता और न ही कोई द्वीप से जाता है। इसीलिए यहां कोरोना संक्रमण का एक भी मरीज सामने नहीं आया। ये लोग तीर-धनुष चलाने में माहिर होते हैं। ये जनजाति खेती करना भी नहीं जानती है।

अजब-गजब | तृतीय विश्व युद्ध को लेकर चर्चाओं का जारी है दौर

देश में हो जाए परमाणु हमला तो जानिए क्या हैं बचने के तरीके

रूस-यूक्रेन के बीच जंग की शुरुआत हो चुकी है। रूस ने यूक्रेन पर हमले भी तेज कर दिए हैं। रूस के इस कदम से दुनिया दो पक्षों में बंटती हुई नजर आ रही है। इस युद्ध का असर दुनिया के आम लोगों पर भी पड़ेगा। हर रोज मासूम सैकड़ों की संख्या में अपनी जान गवां रहे हैं। रूस, यूक्रेन के आबादी वाले इलाकों में मिसाइलों और बमों से हमले कर रहा है। ऐसे में विश्व में तृतीय विश्व युद्ध को लेकर चर्चाओं का दौर जारी है। हालांकि, अभी ऐसी स्थिति आने की संभावना कम है। अब ऐसे में अगर तृतीय विश्व युद्ध होता है तो कई देश एक-दूसरे के खिलाफ परमाणु बम का भी इस्तेमाल करेंगे। आज हम इसी से जुड़ी जानकारी साझा करने जा रहे हैं, यदि किसी देश में परमाणु हमला होता है तो वहां के नागरिक किस तरह से अपना बचाव कर सकते हैं।

एक मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अमेरिका के सेंटर्स फॉर डिसीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन ने हाल ही में बताया है कि अगर परमाणु हमला होता है तो हमें बचने का बहुत कम मौका मिलेगा। ऐसे में हमें पहले से ही

सुरक्षित स्थानों और तरीकों के बारे में जानकारी होनी चाहिए। दरअसल, परमाणु बम बेहद ही खतरनाक होता है। विस्फोट के बाद जो रेडिएशन निकलता है वो इंसानों के जीवन के लिए हानिकारक होता है। जब परमाणु बम विस्फोट होता है तो इसका एक कण तीन कणों को छोड़ता है और इसकी गति में गुणात्मक वृद्धि होती है। अब ऐसे में इसकी भयावहता का अंदाजा लगाया जा सकता है। इस हमले का असर उस जगह की आने वाली कई पीढ़ियों को झेलना पड़ता है। कई सालों तक तरह-तरह की बीमारियां होती रहती है। इसी को ध्यान में रखते हुए एजेंसी ने बताया कि परमाणु हमले के शुरू के कुछ घंटे बेहद मुश्किल और निर्णायक होते हैं। एजेंसी के अनुसार, हमले के 24 घंटे तक लोगों को अपने घरों में ही बंद रहना चाहिए, जिससे उनपर रेडिएशन का खतरा कम और उनकी जान की रक्षा हो सके। एजेंसी ने आगे बताया कि बम विस्फोट के तुरंत बाद घर के अंदर ही मुंह के बल जमीन पर लेट जाए। चेहरे को फेसमास्क से ढंककर रखें। जब तक कहा न जाए अपने घरों से न निकले। घर के निचले हिस्से में खुद को बंदकर कर लें, यदि घर में अंडरग्राउंड है तो ये सबसे सुरक्षित जगह है। घर के सभी खिड़की-दरवाजे अच्छी तरह से बंद कर लें, जिससे हवा के साथ रेडियोएक्टिव गंदगी अंदर ना आने पाए। इन सबसे जरूरी बात ये है कि घबराए नहीं, पैनिक न हो और किसी भी अफवाह से बचें रहें।

प्रदेश से माफियाओं को खदेड़ दिया योगी सरकार ने : शाह

» कोरोना काल में वैक्सीन को लेकर विपक्ष ने लोगों को किया गुमराह

» कानून-व्यवस्था दुरुस्त होने से बढ़ा प्रदेश में निवेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कुशीनगर। देश के गृहमंत्री अमित शाह ने सोमवार को कुशीनगर में जनसभा को संबोधित करते हुए सपा, बसपा और कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के 5 चरणों के चुनाव में भाजपा ने बहुमत के बराबर सीटें प्राप्त कर ली हैं। छठे और सातवें चरण में उत्तर प्रदेश के मतदाताओं को 300 पार वाली सरकार बनाने के लिए वोटिंग करनी है।

उन्होंने कहा कि 2014 में पूरे देश और यूपी ने मोदी को पीएम बनाया था। यूपी ने 80 में से 73 सीटें भाजपा की झोली में डालकर पहली बार किसी गैर कांग्रेसी दल को बहुमत से ज्यादा सीटें जिताई थीं। तभी से भाजपा का ये विजयी अभियान चला है। इस बार आपको विजय का चौका लगाना है। अगर उत्तर प्रदेश के लोग अखिलेश के बहकावे में आकर टीका न लगवाते, तो क्या यहां के लोग कोरोना की तीसरी लहर में बच पाते? ये कैसे नेता हैं जो अपने राजनीतिक स्वार्थ की पूर्ति के लिए जनता को तक बहकाने का काम करते हैं। सीएम योगी ने चुन-चुनकर माफियाओं को यूपी से खदेड़ने का काम किया है। आज अतीक अहमद, आजम खान, मुख्तार अंसारी, जेल में हैं। इन तीनों ने सपा-बसपा के राज में जनता को परेशान किया है, इसलिए तीनों को भाजपा सरकार ने जेल में डालने का काम किया है। उन्होंने कहा कि यूपी में निवेश तभी आ सकता है, जब यूपी में कानून व्यवस्था की स्थिति ठीक हो। यूपी के युवाओं को रोजगार तभी मिलेगा, जब यहां निवेश आएगा। अगर यहां निवेश लाना है तो कानून व्यवस्था को ठीक रखना होगा। जिसके लिए 300 पार वाली भाजपा सरकार बनानी होगी। अखिलेश की सरकार में उन्होंने संकटमोचन मंदिर पर हमला करने वाले आतंकवादियों का केस वापस लेने का काम किया था। हाईकोर्ट ने इस आदेश पर स्टे लगा दिया और बम धमाके करने वाले आज भी जेल में हैं।

भाजपा ने नहीं किया यूपी का विकास : भूपेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» कांग्रेस की जीत का किया दावा

मऊ। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सोमवार को मऊ में जनसभाओं को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश में किसानों और बुनकरों की हालत काफी खराब है। छुट्टा जानवरों से खेतों को बचाने के लिए किसान दिन-रात रखवाली कर रहे हैं। देश में सबसे ज्यादा छुट्टा जानवर उत्तर प्रदेश में है।

उन्होंने कहा कि मऊ जिले में कॉटन मिल बंद हैं। रोजगार के अवसर समाप्त कर दिए गए हैं। मऊ में जो सड़कें कल्पनाथ राय ने बनाई थीं, उनसी आजतक मरम्मत नहीं हो पायी, जिसे लेकर भाजपा सरकार के प्रति जनता में बेहद आक्रोश है। यूपी की जनता इस सरकार को सत्ता से बेदखल करने के लिए कटिबद्ध है। कांग्रेस जो कहती है वह करती है। भाजपा की तरह से जुमलेबाजी नहीं करती है। भाजपा डरी व घबराई हुई है। भाजपा ने कोई विकास किया ही नहीं। अब जनता के पास अवसर है कि वह अपनी वोट की कीमत को पहचानते हुए कांग्रेस प्रत्याशी को वोट देकर भारी मतों से विजयी बनाएं। उन्होंने कहा कि चुनाव में कांग्रेस की जीत होने जा रही है। 10 मार्च को चौकाने वाले रिजल्ट आएंगे। उन्होंने कहा कि जनता खुद को प्रत्याशी मानकर चुनाव लड़ने लगे तो पोलिंग बूथ में अमित शाह और नरेंद्र मोदी भी खड़े हो जाएं तो आपको पराजित नहीं कर सकते।

योगी के गढ़ में चंद्रशेखर ने दिखाई सियासी ताकत

» रोड शो कर लोगों से मांगा समर्थन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गोरखपुर। आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व भीम आर्मी चीफ चंद्रशेखर आजाद ने सोमवार को योगी के गढ़ में अपनी सियासी ताकत दिखाई। यहां इन्होंने सेल टैक्स दफ्तर से रानीडीहा व सिक्टौर तक रोड-शो किया और जनता से समर्थन मांगा।

लगभग एक किलोमीटर के लंबे रोड-शो में उनके साथ लग्जरी वाहनों के साथ-साथ मोटर साइकिल व पैदल समर्थक चल रहे थे। वाहनों के पीछे मोटर साइकिल व पैदल झंडा लहराते उत्साही युवा कार्यकर्ताओं का हूजुम लोगों में जोश भर रहा था। कई बार बीच-बीच में वाहन रोककर कार्यकर्ता नारेबाजी करते व लोगों में प्रचार सामग्री वितरित कर वोट मांगते दिखे। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार चंद्रशेखर आजाद का रोड शो सुबह नौ बजे शुरू होना था, लेकिन तय समय से करीब तीन घंटे विलंब से शहर के तारामंडल स्थित सेल टैक्स दफ्तर से शुरू हुआ और पैडलेगंज, छात्रसंघ चौक, अंबेडकर चौक, प्रेस क्लब, टाउनहाल, गोलघर, काली मंदिर, पुलिस लाइंस, धर्मशाला बाजार, तरंग ओवरब्रिज, गोरखनाथ मंदिर, राजेंद्रनगर, बरगदवां, स्पोर्ट्स कालेज, खजांची चौक, पादरी बाजार आदि से होते हुए सेल टैक्स दफ्तर पहुंचकर समाप्त हुआ।

थमने लगा कोरोना तीन महीने में सबसे कम केस आए सामने

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश में कोरोना संक्रमण की तीसरी लहर का असर लगभग खत्म हो गया है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कोरोना को लेकर अपडेट जारी किया है। रिपोर्ट के अनुसार, तीन महीने बाद आज कोरोना के सबसे कम मामले सामने आए हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि बीते 24 घंटों में कोरोना के 6,915 नए मामले आए हैं। इससे पहले कोरोना के सबसे कम मामले 27 दिसंबर को सामने आए थे। 27 दिसंबर को कोरोना के 6,358 नए मरीज मिले थे।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि बीते 24 घंटों के दौरान कोरोना के 180 लोगों की मौत हो गई है। इसके अलावा 16,864 मरीज ठीक भी हुए हैं। देश में कोरोना के एक्टिव मरीज घटकर 92,472 हो गए हैं। अब तक कुल 4,23,24,550 लोग ठीक हो चुके हैं। इसके अलावा 5,14,023 लोग कोरोना से अपनी जान गंवा चुके हैं। कल कोरोना वायरस के लिए 9,01,647 सैंपल टेस्ट किए गए थे।

विपक्ष पर मायावती ने साधा निशाना

घोषणा नहीं काम करने में विश्वास करती है बसपा

» बसपा की सरकार बनने का किया दावा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

आजमगढ़। बसपा सुप्रीमो मायावती सोमवार को आजमगढ़ में जनसभा को संबोधित करते हुए सपा समेत विपक्ष पर जमकर हमला किया। उन्होंने कहा कि बसपा नहीं सपा भाजपा की बी टीम है। यदि ऐसा नहीं होता तो सपा के लोग यह नहीं कहते की बसपा को हराना है, जहां हमारे प्रत्याशी कमजोर हैं वहां बसपा नहीं जितने पाए इसके लिए किसी और को वोट दें।

मायावती ने कहा कि अखिलेश यादव आजमगढ़ से सांसद हैं, जो हमारे बदलौत बने हैं। हमारा साथ नहीं मिलने पर वे अपने पिता के संसदीय क्षेत्र में आने वाले करहल से चुनाव लड़ने चले गए। उन्होंने कहा कि सभी दल बसपा को चुनाव से गायब बता रहे हैं। एक्जिट पोल भी बसपा को सत्ता से दूर बता रही है। ऐसा ही 2007 में भी हुआ था लेकिन बसपा सभी एक्टिज पोल को फेल करते हुए पूर्ण बहुमत के साथ सत्ता में आई थी। इस बार भी प्रदेश में ऐसा ही होने वाला है।

उन्होंने कहा कि हमने अपना चुनाव घोषणा पत्र नहीं जारी किया है, क्योंकि हम घोषणा करने के बजाए काम करने में विश्वास करते है। सत्ता में आते ही प्रदेश की बिगड़ी कानून व्यवस्था को दुरुस्त कर दिया जाएगा। गुंडे माफिया जेल में होंगे, बेरोजगारों को रोजगार दिलाया जाएगा।

बेटे समेत मां को मिनी ट्रक ने कुचला, मौत

» प्रयागराज में हादसा मायके से ससुराल लौट रही थी महिला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। यमुनापार के मांडा क्षेत्र में सोमवार देर शाम दुखद हादसा हो गया। मायके से लौटकर ससुराल जाते वक्त बसकड़ी गांव के पास तीन साल के बच्चे के साथ सड़क पार कर रही महिला को मिनी ट्रक ने कुचल दिया। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई।

मांडा में बसकड़ी गांव का रहने वाला विजय बहादुर बिंद सूरत में रहकर एक प्राइवेट फर्म में नौकरी करता है। विजय की पत्नी 35 वर्षीय शकुंतला तीन साल के बेटे पुष्पराज के साथ यहां ससुराल में रहती थी। वह जनवरी में मकर संक्रांति के अवसर पर अपने मायके मीरजापुर जनपद के जिगना इलाके के रुदईपुर गांव गई थी। 28 फरवरी की शाम शकुंतला अपने भाई रमेश बिंद के साथ बेटे को लेकर बाइक पर ससुराल लौट रही थी। बसकड़ी गांव के सामने भाई रमेश ने उसे बाइक से सड़क पर उतारा। बाइक से उतरने के बाद शकुंतला बेटे को गोद में उठाकर सड़क की दूसरी तरफ गांव की ओर जा रही थी तभी तेज गति में आए मिनी ट्रक ने उन दोनों को चपेट में ले लिया।

दलित-पिछड़े समाज को योगी का चेहरा मंजूर नहीं!

ओबीसी, पिछड़े व दलित एकजुट, पांच चरण के चुनाव में बदल चुका है समीकरण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी चुनाव में भाजपा सत्ता में वापसी के लिए पूरे दमखम के साथ मैदान में है लेकिन इस चुनाव में भाजपा की हालत ठीक नजर नहीं आ रही है। चुनाव से ऐन पहले योगी सरकार में पिछड़े समाज के मंत्रियों और नेताओं ने भाजपा का दामन छोड़ दिया, जिसने भाजपा का पूरा समीकरण बिगाड़ दिया है। ऐसे में सत्ता में लौटना मुश्किल हैं। ऐसे मुद्दे उठे वरिष्ठ पत्रकार श्रवण गर्ग, विकास जैन, शीतल पी सिंह, प्रो. रविकांत, किसान नेता प्रबल प्रताप शाही और अभिषेक कुमार के बीच चली लंबी परिचर्चा में।

श्रवण गर्ग ने कहा, चुनाव से पहले केशव प्रसाद मौर्य ही रह गए। पांच-छह दिग्गज विधायकों ने साथ छोड़ा। मुद्दा यही रहा होगा कि पिछड़े खुश नहीं है। पांच चरणों के बाद संकेत मिल रहा है कि हिंदुत्व के सारे पैरामीटर्स पर विराम लग गया है। ओबीसी, पिछड़े व दलित एकजुट हैं, इससे मैप बदल गया है। विकास जैन ने कहा, जनता ने यह बता दिया कि जिसका सम्मान नहीं, उसकी सरकार नहीं। ऐसे में प्रतीत होता है कि दलित-पिछड़े समाज को योगी का चेहरा मंजूर नहीं।

परिचर्चा
रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

शीतल पी सिंह ने कहा कि देश में लोकतंत्र चुनाव के जरिए संचालित होता है। चुनाव में संख्या जिसकी ज्यादा है, वहीं सरकार चुनता है। ऐसे में पिछड़े वर्ग को भाजपा सरकार में कम लाभ मिला। फिलहाल अब दस मार्च को पता चलेगा कि आखिर इन्होंने भाजपा का दामन छोड़ा है या अब भी साथ हैं।

प्रबल प्रताप शाही ने कहा भाजपा से कई वर्ग नाराज है खासकर गोरखपुर में। कायस्थ समाज, व्यापारी वर्ग की नाराजगी कहीं भारी न पड़ जाए योगी को। मौजूदा भाजपा ने बीते पांच साल में हिंदुत्व को फोकस रखा, दलितों, पिछड़ों को दूर रखा तो ये भाजपा के लिए कड़ी चुनौती बनेगा।

प्रो. रविकांत ने कहा, यूपी में अब मोदी-योगी के अलग-अलग समर्थक हैं। मोदी से नाराजगी कम लेकिन योगी से ज्यादा है। अब कुछ कहने से पहले दस मार्च तक इंतजार कर लें। सब साफ हो जाएगा। परिणाम सब कुछ साफ कर देंगे।

बम भोले के जयकारों से गूंज उठे शिवालय

लखनऊ। पूरे उत्तर प्रदेश में महाशिवरात्रि का पर्व धूमधाम से मनाया जा रहा है। इस पावन अवसर पर राजधानी के सभी शिवालय बम भोले के जयकारों से गूंज उठे। शिव मंदिरों पर आधी रात से ही कांवड़ियों की कतारें लग गईं। वहीं मनकामेश्वर मंदिर में भोलेनाथ का विशेष श्रृंगार कर परंपराओं का निर्वहन किया गया। इस मौके पर भक्तों ने बाबा भोलेनाथ का दर्शन कर आशीर्वाद मांगा।

फोटो: सुमित कुमार

मुख्यमंत्री के गढ़ में संग्राम

सीएम योगी, लल्लू और स्वामी प्रसाद मौर्या की प्रतिष्ठा दांव पर

» आज शाम थम जाएगा छठे चरण का चुनाव प्रचार

» 10 जिलों की 57 सीटों पर 3 मार्च को डाले जाएंगे वोट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। छठवें चरण का चुनाव प्रचार आज शाम थम जाएगा। इस चरण में तीन मार्च को दस जिलों की 57 सीटों पर मतदान होगा। जिन जिलों में चुनाव होने हैं उनमें बलिया, गोरखपुर, बलरामपुर, देवरिया, कुशीनगर, सिद्धार्थनगर, संतकबीरनगर, महाराजगंज, बस्ती और अंबेडकरनगर शामिल हैं। इन जिलों के 2.14 करोड़ से अधिक मतदाता 676 प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला करेंगे।

इस चरण में जिन प्रमुख प्रत्याशियों की किस्मत दांव पर है उसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ,मंत्री सतीश द्विवेदी, सूर्य प्रताप शाही, उपेंद्र तिवारी, श्रीराम चौहान व राम स्वरूप शुक्ला मुख्य हैं। इनके अलावा नेता प्रतिपक्ष राम गोविंद चौधरी, विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष माता प्रसाद पांडेय, बसपा छोड़ सपा में आए लालजी वर्मा, राम अचल राजभर, पूर्व मंत्री राममूर्ति वर्मा, राज किशोर सिंह, स्वामी प्रसाद मौर्या, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू समेत कई अन्य दिग्गज शामिल हैं। यूपी चुनाव पूर्वांचल के लिहाज से काफी अहम माना जा रहा है। इसका कारण है कि बीजेपी ने यहां से विपक्ष का सफाया कर दिया था। हालांकि, इस बार बदले गए सियासी समीकरण में बीजेपी के लिए चुनौतियां बढ़ गई हैं। सुभासपा इस बार बीजेपी से नाता तोड़कर सपा के साथ हो गई है। बीजेपी ने निषाद पार्टी को मिला लिया है। ऐसे में योगी पहली बार विधानसभा चुनाव लड़कर विधायक बनने के लिए मैदान में हैं।

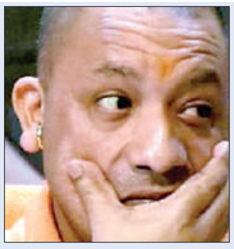

2017 के चुनाव में भाजपा का पलड़ा था भारी

छठे चरण में जिन 10 जिलों की सीटों पर चुनाव हो रहे हैं, 2017 में अंबेडकरनगर छोड़कर बाकी जिलों में बीजेपी का पलड़ा भारी रहा था। 2017 में इन 57 सीटों में से बीजेपी को 46 सीटें आईं थीं जबकि सपा को 2, बसपा को 5 सीटें और कांग्रेस को एक सीट मिली थी। वहीं, बीजेपी के सहयोगी अपना दल (एस) को 1 और सुभासपा को एक सीट मिली थी जबकि एक सीट पर निर्दलीय ने जीत दर्ज की थी।

सोना लूट कर भाग रहे तीन बदमाशों को यूपी एटीएस ने दबोचा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बंगाल के कोलकाता में हत्या के बाद पांच किलोग्राम से ज्यादा सोना लूटकर भाग रहे तीन बदमाशों को यूपी एटीएस (आतंकवाद निरोधक दस्ता) ने गिरफ्तार किया है। बरामद सोने में एक-एक किलो के पांच गोल्ड बार और एक बिस्किट शामिल है। इसकी कीमत कुल दो करोड़ 80 लाख 50 हजार रुपये है। यूपी एटीएस ने गिरफ्तार तीनों अभियुक्तों को कोलकाता पुलिस को सौंप दिया है। तीनों उत्तर प्रदेश के रहने वाले हैं। यूपी एटीएस को कोलकाता पुलिस से सूचना मिली थी कि शिवटोला स्ट्रीट में एक 61 वर्षीय व्यक्ति हत्या के बाद 5100 ग्राम सोना लूटकर फरार हो गए हैं और उत्तर प्रदेश की तरफ गए हैं।

प्रयागराज के 20 छात्र यूक्रेन में फंसे परिजनों ने सरकार से मांगी मदद

» बच्चों को सुरक्षित वतन वापस लाए जाने की गुहार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। रूसी हमले से जूझ रहे यूक्रेन में जिले के करीब 20 छात्र फंस गए हैं। मिसाइल और बमों के हमलों के बीच फंसे अपने बच्चों की चिंता में उनके परिजन खौफजदा हैं। बच्चों की फिक्र में रह-रहकर उनका दिल सहम उठता है। परिवारवालों का पूरा दिन बेटे-बेटियों की सलामती के लिए दुआएं करते बीत रहा है। परिवारीजनों की मोदी सरकार से गुहार है कि उनके बच्चों को सुरक्षित वतन वापस लाया जाए।

यूक्रेन के ओडेसा मेडिकल यूनिवर्सिटी से चौथे वर्ष की पढ़ाई कर रहे धूमनगंज के नीवा इलाके के दीक्षांत श्रीवास्तव समेत सैकड़ों भारतीय छात्र अब भी वहीं फंसे हुए हैं। पूरे शहर में अफरा-तफरी का माहौल है। वहीं यूक्रेन में फंसे छात्रों में घूरपुर के गोहनिया बाजार निवासी प्रीति साहू भी है। प्रीति इवानो फ्रंकिवस्क नेशनल मेडिकल यूनिवर्सिटी में एमबीबीएस द्वितीय वर्ष की छात्रा है। मीरापुर का शुभांष गिरि सहित कई स्टूडेंट्स भी यूक्रेन में फंसा है। परिवारीजनों की मांग है कि उनके बच्चों को सुरक्षित वापस लाना सरकार की जिम्मेदारी हैं। सरकार तुरंत सख्त कदम उठाए।

आठवां लीग मैच: शुभम मिश्रा की आतिशी पारी से प्लाजा एकादश ने मेगास्टार को हराया

» मुख्य अतिथि शेखर सिंह ने विजेताओं को किया सम्मानित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। तृतीय श्री जगन्नाथ क्रिकेट कॉर्पोरेट टूर्नामेंट जगन्नाथ क्रिकेट ग्राउंड पर खेला जा रहा है। आठवां लीग मैच प्लाजा एकादश और मेगास्टार लखनऊ के मध्य खेला गया, जिसमें प्लाजा एकादश ने यह मुकाबला 221 रन के विशाल अंतर से जीत लिया। टॉस जीतकर मेगास्टार लखनऊ ने पहले प्लाजा एकादश को बल्लेबाजी करने का न्यौता, दिया जिसमें प्लाजा एकादश की ओर से शुभम मिश्रा ने 63 गेंदों में 17 चौके और 12 छक्कों की मदद से ताबड़तोड़ 156 रन की पारी खेली।

आकाश उपाध्याय ने 16 गेंदों में तीन चौके और तीन छक्कों की मदद से 37 रन बनाए। प्लाजा एकादश ने निर्धारित 20 ओवरों में 4 विकेट खोकर 276 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी मेगास्टार लखनऊ मात्र 8.5 ओवर ही खेल पाई और सभी विकेट खोकर 55 रन पर ही सिमट गई। मेगास्टार की ओर से रॉबिन गुप्ता ने दो चौकों की मदद से अपनी टीम से सर्वाधिक 11 रन बनाए। प्लाजा एकादश की ओर से पिंटू गौतम ने 4 ओवरों में 30 रन देकर 7 विकेट झटके और मेगास्टार की टीम की कमर तोड़ दी। वहीं रूद्र प्रताप सिंह ने 2 ओवर में 7 रन देकर दो विकेट झटके। आज के मैच के मुख्य अतिथि शेखर सिंह ने खिलाड़ियों का उत्साह वर्धन किया और मैन ऑफ द मैच रहे शुभम मिश्रा को उनकी शानदार बल्लेबाजी के लिए ट्रॉफी देकर सम्मानित किया और पिंटू गौतम को उनकी शानदार गेंदबाजी के लिए मुख्य अतिथि शेखर सिंह द्वारा मैच बॉल और टॉफी गिफ्ट की गई।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।